



वर्ष-17, अंक-18

कोरबा, शुक्रवार दिनांक 07 से 13 अगस्त 2025

पृष्ठ-8, मूल्य-रू.3.00/-

17 अगस्त को माँ सर्वमंगला देवी मंदिर परिसर में होगा 121 पार्थिव शिवलिंग सामूहिक महारूद्राभिषेक

जजमान बनने अभी से कराएं निःशुल्क रजिस्ट्रेशन
तृतीय सावन सोमवार को प्रातः 11.30 बजे से होगा आरंभ
नमः आयोजन समिति का दिव्य आयोजन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

माँ सर्वमंगला देवी मंदिर परिसर में दूसरी बार सावन सोमवार को दिव्य और भव्य आयोजन नमः आयोजन समिति द्वारा किया जा रहा है। बीते वर्ष सावन में नमः आयोजन समिति ने 108 पार्थिव शिवलिंग का महारूद्राभिषेक का आयोजन किया था, जो दिव्य आयोजन था। इस बार इसे और भव्य और विशाल बनाने की तैयारी की जा रही है। नमः आयोजन समिति द्वारा सावन मास के तृतीय सोमवार 17 अगस्त को 121 पार्थिव शिवलिंग का महारूद्राभिषेक होगा और सोमवार 17 अगस्त को प्रातः 11.30 बजे महारूद्राभिषेक प्रारंभ होगा। आयोजन समिति ने कोरबा सहित प्रदेश के शिवभक्तों से सादर आग्रह करते हुए जजमान बनने और महारूद्राभिषेक करने का पुण्य लाभ प्राप्ति के लिए आज ही से निःशुल्क रजिस्ट्रेशन मोबाईल नम्बर 96858-78029 एवं 70670-79006 में करें और 121 पार्थिव शिवलिंग का अभिषेक करने का पुण्य प्राप्त करें।

कंगना रनौत का यू-टर्न, कहा-

जेन जी हमारे देश की ताकत और गौरव



नई दिल्ली, एजेंसी।

‘जेन जी’ प्रदर्शनकारियों को ‘जेनरेशन गटर’ कहकर विवाद खड़ा करने के कुछ दिनों बाद अभिनेत्री-नेता कंगना रनौत ने शुक्रवार को अपना रुख बदलते हुए उनकी तारीफ की। उन्होंने कहा कि ‘जेन जी’ भारत की सबसे बड़ी ताकत है और देश की संस्कृति एवं पहचान के दूत हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के ‘जेन जी’ के समर्थन में बयान देने के एक दिन बाद रनौत ने भी उनकी बातों का समर्थन किया। भागवत ने कहा था कि ‘जेन जी’ की मांगों पर ध्यान दिया जाना चाहिए और युवाओं को राष्ट्र-विरोधी नहीं माना जाना चाहिए।

रनौत ने संसद के बाहर संवाददाताओं से कहा, ‘जेन जी हमारे देश की ताकत है और एक तरह से राष्ट्र के लिए बड़ी संपत्ति है। हमें खुशी है कि हमारे युवा तेजी से हमारी संस्कृति और पहचान के दूत के रूप में उभर रहे हैं।’ हिमाचल प्रदेश के मंडी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद ने कहा, ‘हमें मोहन भागवत जी, जिनका हम बहुत सम्मान करते हैं, को सुनने और उनके ज्ञान व अनुभव से लाभ लेने का अवसर भी मिला है। यह बेहद खुशी की बात है कि देश के युवा हमसे जुड़

एक ही परिवार के पांच की मौत

प्रयाग, एजेंसी। उत्तराखंड के पौड़ी जिले में देवप्रयाग-पौड़ी मार्ग पर शुक्रवार को कार खाई में गिरने से एक परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई और एक व्यक्ति लापता हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) के मुताबिक देवप्रयाग क्षेत्र में हुए हादसे में 16 वर्षीय लड़का घायल हो गया। सूचना मिलते ही देवप्रयाग पुलिस, एसडीआरएफ घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव एवं राहत कार्य शुरू किया। एसडीआरएफ ने बताया कि हरिद्वार के लक्सर क्षेत्र का निवासी एक परिवार बोलेरो कार में सवार होकर कहीं जा रहा था, तभी चालक का कार पर से नियंत्रण खो गया और वह गहरी खाई में जा गिरी। हादसे के समय वाहन में कुल सात लोग सवार थे। एसडीआरएफ के अनुसार घटनास्थल से एक महिला और बच्ची समेत पांच लोगों के शव बरामद हुए हैं जबकि घायल अवस्था में मिले अरहम नामक लड़के को स्थानीय निवासियों ने अस्पताल भिजवा दिया। एसडीआरएफ ने बताया कि मृतकों की पहचान अफजाल (49), गुफरान (34), सब्बू (40), अनामिया (तीन), और शादाब (14) के रूप में हुई है। एसडीआरएफ के अनुसार एक अन्य व्यक्ति लापता है जिसकी तलाश जारी है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

खौफनाक कदम

हंसते हुए मां के हाथों से जहर पी गए भाई –बहन, मां ने खुद बनाया मासूमों को मारने का वीडियो

फतेहाबाद, एजेंसी। मेहुवाला गांव में आंगनबाड़ी वर्कर सुदेश और उसके दो बच्चों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से सनसनी फैल गई। तीनों के शव घर में बने पानी



के टैंक से बरामद हुए। मृतका के भाई प्रवीण ने उसके पति पर नशे की आदत और प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर पति संदीप माचरा के खिलाफ बीएनएस की धारा 103(1) और 108 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस मामले में मां के द्वार बनाई गई वीडियो भी सामने आई है, जिसमें वह अपने बच्चों को अपने हाथ से जहर पिला रही है। इसके बाद उसने दोनों बच्चों को घर के बने कुंड में फेंका। इस सबके बाद उसने खुद भी जहर पीकर उसी कुंड में अपनी जान दे दी। परिजनों के अनुसार, सुदेश ने वर्ष 2014 में मेहुवाला निवासी संदीप उर्फ काला से प्रेम विवाह किया था। दोनों के दो बच्चे थे। आरोप है कि सुदेश अपने पति की नशे की आदत और कथित प्रताड़ना से परेशान थे। घटना से पहले उसने सोशल मीडिया पर एक रील और वीडियो भी पोस्ट किया था। परिजनों का दावा है कि वीडियो में उसने पति से परेशान होने की बात कही थी। मृतका के भाई प्रवीण ने बताया कि 6 अगस्त को संदीप ने उसे फोन कर सुदेश और दोनों बच्चों के घर से लापता होने की जानकारी दी।

महतारी वंदन:67.20 लाख मातृशक्ति को मिली 30वीं खुशी

रायपुर (दिव्य आकाश)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से महतारी वंदन योजना की 30वीं किस्त जारी करते हुए प्रदेश की 67 लाख 20 हजार 125 पात्र महिलाओं के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से 630 करोड़ 55 लाख 54 हजार 300 रुपये की राशि अंतरित की। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, प्रमुख सचिव श्रीमती शहला निगार तथा संचालक डॉ. रेणुका श्रीवास्तव उपस्थित थीं।

मातृशक्ति के खातों में पहुंची महतारी वंदन योजना की 30वीं किस्त

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना राज्य सरकार की उन प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं में से एक है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर उन्हें सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि जब माताएं और बहनें आर्थिक रूप से सशक्त होती हैं, तब परिवार मजबूत होता है, बच्चों का भविष्य सुरक्षित होता है

और समाज विकास की नई दिशा में आगे बढ़ता है। इसलिए मातृशक्ति का सशक्तिकरण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह योजना केवल प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं के आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता और सामाजिक भागीदारी को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम बन चुकी है। प्रदेश के लाखों परिवारों में यह राशि शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और आजीविका जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में उपयोग हो रही है, जिससे महिलाओं की आर्थिक भूमिका और अधिक सशक्त हुई है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अनेक महिलाएं महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि का सदुपयोग करते हुए अपने बच्चों की शिक्षा पर खर्च कर रही हैं। कई माताएं अपनी बेटीयों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सुकन्या समृद्धि योजना में नियमित निवेश कर रही हैं। वहीं बड़ी संख्या में महिलाओं ने सिलाई-कढ़ाई, ब्यूटी पार्लर, डेयरी, किराना दुकान, सब्जी विक्रय, पशुपालन, अगरबत्ती निर्माण तथा अन्य छोटे स्वरोजगार शुरू कर अपनी आय बढ़ाई



है। इससे वे न केवल परिवार की आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति कर रही हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल भी प्रस्तुत कर रही हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुशासन का अर्थ केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक समय पर और पारदर्शी तरीके से पहुंचे। महतारी वंदन योजना इसी सोच का परिणाम है, जिसमें हर महीने बिना एक हजार रुपए की राशि सीधे महिलाओं के बैंक खातों में पहुंचाई जा रही है। डीबीटी व्यवस्था ने पारदर्शिता बढ़ाई है और महिलाओं में शासन के प्रति विश्वास भी मजबूत किया है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वरोजगार, कौशल विकास तथा वित्तीय समावेशन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में लगातार कार्य कर रही है। महतारी वंदन योजना इन सभी प्रयासों का महत्वपूर्ण आधार बनकर महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा और सामाजिक सम्मान प्रदान कर रही है।

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः ।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः ॥

शोक संदेश



स्व. श्री सत्यनारायण दुबे जी

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि परम पूज्य स्व.श्री विश्वनाथ दुबे के ज्येष्ठ पुत्र दिवजोत्तम श्री सत्यनारायण दुबे जी (प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य, रत्न विशेषज्ञ) का आकस्मिक निधन दिनांक 29.07.2026 दिन बुधवार को हो गया है। जिनका द्वादशाह, श्रद्धांजलि सभा, ब्रह्मभोज एवं चंदनपान दिनांक 09.08.2026 दिन रविवार को सपन्न होगा।

अतः इस दुःखद बेला में आप सपरिवार पधारकर पवित्र आत्मा को श्रद्धांजली अर्पित कर शोक संतप्त परिवार को सांत्वना प्रदान करने की कृपा करें।

कार्यक्रम स्थल

द्वादशाह, श्रद्धांजलि सभा, ब्रह्मभोज तथा चंदनपान

दिनांक- 09 अगस्त 2026, दिन - रविवार (सावन कृष्ण एकादशी) समय - दोपहर 01:00 से 08.00 बजे तक
स्थान - सिंचाई कालोनी, शिव मंदिर, झंडा ग्राउंड के पास रामपुर कोरबा (छ.ग.)

शोकाकुल परिवार

रविशंकर दुबे (भतीजा),

नीरज दुबे (पुत्र),

आयुष दुबे, विष्णुकांत दुबे (भतीजा)

विजय तिवारी (दामाद) एवं समस्त दुबे परिवार।

ॐ
शान्ति

विनीत

सत्येन्द्र दुबे (अनुज)

धीरज दुबे (पुत्र)

संपर्क - 72250-23333



भगवान शिव का प्रिय एवं पवित्र सावन मास की शुभकामनाएं

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

कोरबा, शुक्रवार दिनांक 07 से 13 अगस्त 2025

सुविचार

जीवन में खुशी पाना चाहते हैं, तो
अच्छी सोच, अच्छी भावना
एवं अच्छे विचार रखें...



सीएम विजय की पत्नी ने तलाक की अर्जी वापस ली

एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का आरोप लगाया था, सीएम बनने के 3 महीने बाद केस खत्म

चेंगलपट्टूर, एजेंसी।

तमिलनाडु के सीएम विजय की पत्नी संगीता ने चेंगलपट्टूर फैमिली कोर्ट में दाखिल तलाक की अर्जी वापस ले ली है। शुक्रवार को इस केस के सुनवाई थी, इसमें वे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुईं। उन्होंने जज सुजाता को अर्जी वापस लेने की जानकारी दी। जज ने करीब 15 मिनट तक उनसे पूछताछ की और फिर अर्जी स्वीकार करते हुए तलाक का केस खत्म कर दिया। संगीता ने इसी साल फरवरी 2026 में तलाक की अर्जी दायर की थी। उन्होंने विजय पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का आरोप लगाया था। विजय ने इसी साल 10 मई को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री की शपथ ली थी।

न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, संगीता ने याचिका में कहा था कि उनके पति का एक एक्स्ट्रेस के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर है। हालांकि, उन्होंने एक्स्ट्रेस का नाम नहीं लिया। उन्होंने यह भी बताया था कि विजय ने उन्हें लगातार मानसिक प्रताड़ना दी। उपेक्षित किया और छोड़ दिया। जरूरत पड़ने पर वह उस अभिनेत्री को भी मामले में दूसरा पक्षकार बनाएंगी। संगीता का कहना था कि उनका रिश्ता पूरी तरह टूट चुका है। विजय भावनात्मक रूप से उनसे दूर हो गए हैं। उनके साथ अपमानजनक व्यवहार करते थे। ऐसी परिस्थितियां पैदा कर दी थीं कि उन्हें एक ही घर में अलग रहना पड़ रहा था। इसलिए स्पेशल मैरिज एक्ट, 1954 के तहत तलाक दिया जाए। सीएम बनने के बाद पति-पत्नी के संबंधों में सुधार आया और संगीता ने तलाक की अर्जी वापस ले ली।

जेल में बंद अतीक के दोनों बेटे बाहर आएंगे:भाई के जनाजे में शामिल होंगे



प्रयागराज/झांसी, एजेंसी।

माफिया अतीक अहमद के जेल में बंद दोनों बेटे अली और उमर छोटे भाई अबान के जनाजे में शामिल होंगे। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शुक्रवार दोपहर साढ़े 3 बजे दोनों भाइयों को पैरोल दे दी। उमर लखनऊ और अली झांसी जेल में बंद है। कोर्ट का आदेश जेल पहुंचने के बाद दोनों को प्रयागराज पहुंचने में 6-7 घंटे लग सकते हैं। ऐसे में अबान को प्रयागराज में देर रात या कल सुबुर्द-ए-खाक किया जा सकता है। परिवार ने अबान के शव को डीप फ्रीजर में रख दिया है। मां शाइस्ता परवीन जनाजे में शामिल होगी या नहीं। सबकी निगाहें इस पर टिकी हैं, क्योंकि वह पति अतीक और बेटे असद के जनाजे में भी शामिल नहीं हुई थी। शाइस्ता 2023 से फरार है। अबान (21) को कसारी-मसारी के खानदानी कब्रिस्तान में दफनाया जाएगा। यहां उसके पिता अतीक, दादा फिरोज अहमद, चाचा अशरफ और भाई असद की कब्रें हैं।

पहाड़ से लेकर मैदान तक जल प्लनव



यूपी के नोएडा में सड़क पर जमा पानी में एक एंबुलेंस फंस गई।

नई दिल्ली, एजेंसी।

समाचार लिखे जाने तक दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार को तेज बारिश हो रही है। कई इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया है, जिससे जाम लग गया है। नोएडा के सेक्टर-95 में एक एंबुलेंस पानी में फंस गई। गुरुवार को द्वारका सेक्टर-25 में तेज बारिश के दौरान एक युवक खुले नाले में गिरकर तेज बहाव में बह गया। 7 घंटे तक रेस्क्यू अभियान के बावजूद युवक नहीं मिला।

उत्तराखंड में लगातार बारिश से अलकनंदा, मंदाकिनी, भागीरथी समेत छह नदियां खतरे के स्तर पर बह रही हैं। हरिद्वार-ऋषिकेश में घाट और मंदिर डूब गए हैं। रुद्रप्रयाग में स्कूल बंद हैं। राज्य की 132 सड़कें और बंदीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री नेशनल हाईवे बंद किए गए हैं।

उत्तर प्रदेश में भी लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। फर्रुखाबाद में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई। 33 गांवों और 40 सरकारी स्कूलों में बाढ़ का पानी घुस गया। बलिया में एक हफ्ते में 27 घर सरयू नदी में समा चुके हैं।



हिमाचल प्रदेश में लैंडस्लाइड से शिमला-किन्नौर नेशनल हाईवे बंद हो गया।



वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से रलेश्वर महादेव मंदिर आधे से ज्यादा डूब गया।

असम: बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 97 हुई

असम में बाढ़ की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। दो और लोगों की मौत के बाद मृतकों की संख्या 97 हो गई है। राज्य के 15 जिलों में

दिल्ली-एनसीआर में तेज बारिश, नोएडा में एंबुलेंस फंसी:कई इलाकों में ट्रैफिक जाम, यूपी के 30 गांवों में बाढ़, उत्तराखंड में बंदीनाथ-गंगोत्री हाईवे बंद



उत्तराखंड के चमोली में लैंडस्लाइड के बाद के मलबे में फंसी गाड़ी।



उत्तराखंड के कालेश्वर में सड़कों पर पहाड़ों से पत्थर टूटकर गिरने से बंदीनाथ नेशनल हाईवे बंद हो गया है।

1.68 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं, जबकि गोलाघाट, शिवसागर और जोरहाट सबसे ज्यादा प्रभावित जिले हैं।

हूती विद्रोहियों का यमन और सऊदी अरब पर हमला

यमन के 58 सैनिकों की मौत, सऊदी में 11 घायल, कई जगह आग लगी

रियाद/तेल अवीव, एजेंसी।

ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने गुरुवार को सऊदी अरब और यमन में एक साथ बड़े हमले किए।

पहला हमला यमन सरकार के मिलिट्री ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन से हुआ, जिसमें 58 सैनिकों की मौत हुई और दर्जनों घायल हो गए। यमन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सही समय और सही जगह पर जवाब दिया जाएगा।

दूसरा हमला सऊदी के नजरान में हुआ, जिसमें 11 नागरिक घायल हुए। इनमें 7 सऊदी, एक यमनी, दो मिस्री, एक पाकिस्तानी नागरिक है। वहीं, एक 4 साल का एक बच्चा भी घायल हुआ है। हमलों के बाद नजरान के कई हिस्सों में आग लग गई।

अमेरिका-ईरान के बीच होमुंज डील जल्द संभव

AP की रिपोर्ट के मुताबिक, होमुंज स्ट्रेट को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच समझौता जल्द हो सकता है। ईरान-ओमान के बीच मसौदा अंतिम चरण में है।

ट्रम्प बोले- ईरान खुद बातचीत चाहता है

ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान ने खुद बातचीत की पहल की है और दोनों देशों के बीच वार्ता में अच्छी



प्रगति हुई है। उनके मुताबिक, समझौता ईरान के लिए सबसे बेहतर विकल्प होगा।

होमुंज और बाब-अल-मंदेब में जहाजों की आवाजाही घटी

समुद्री ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, होमुंज स्ट्रेट से बुधवार को सिर्फ 2 जहाज गुजरे, जबकि तनाव से पहले यहां रोज 130-140 जहाज गुजरते थे। बाब-अल-मंदेब में भी शिपिंग ट्रैफिक लगातार घट रहा है।

होमुंज में टोल लगा तो दुनिया में महंगाई बढ़ेगी

दुनिया के आठ बड़े शिपिंग संगठनों ने हू और IMO से अपील की है कि होमुंज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर किसी तरह का टोल या सर्विस शुल्क न लगाया जाए। उनका कहना है कि इससे शिपिंग महंगी होगी और वैश्विक महंगाई बढ़ेगी।

लेबनान में 2 इजराइली सैनिकों की मौत

दक्षिणी लेबनान में एक इमारत में धमाके में दो इजराइली सैनिक मारे गए और चार घायल हुए। इसके बाद इजराइल ने कई इलाकों में हवाई हमले किए।

थाईलैंड- 9वीं के छात्र ने 8 लोगों की हत्या की

घर में दादा-दादी को मारा, फिर स्कूल में फायरिंग की, बाद में आत्महत्या की

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड के एक स्कूल में शुक्रवार को 9वीं के छात्र ने फायरिंग कर दी। इसमें 3 शिक्षक और 3 छात्रों समेत 6 की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हैं। छात्र ने खुद को भी गोली मार ली और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। घटना राजधानी बैंकॉक के पास डेबसिरिन नोंथाबुरी स्कूल की है। स्कूल पहुंचने से पहले ही छात्र ने घर में दादा-दादी की हत्या कर दी थी।

पीएम मोदी से दिल्ली में मिले सुखबीर बादल

पंजाब में दोबारा अकाली-BJP गठजोड़ के संकेत, केजरीवाल बोले- ना ना करते प्यार तुम्हीं से कर बैठे

चंडीगढ़, एजेंसी।

शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सुखबीर सिंह बादल शुक्रवार सुबह दिल्ली पहुंचे और पार्लियामेंट हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले। दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद अकाली दल और भाजपा गठबंधन की चर्चा होने लगी है। पंजाब विधानसभा चुनाव में तकरीबन चार-पांच महीने का टाइम बचा है। माना जा रहा है कि दोनों दलों के शीर्ष नेताओं की मुलाकात के बाद अब गठबंधन फाइनल हो सकता है।



इधर, मोदी-सुखबीर की मुलाकात पर आम आदमी पार्टी (AAP) सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने तंज कसा- ना ना करते प्यार तुम्हीं से कर बैठे.....तो क्या चन्दा चोर पार्टी और बेअदबी पार्टी का गठबंधन हो रहा है? केजरीवाल के इस तंज पर सुखबीर बादल ने कहा- 2022 से पहले AAP ने दावा किया था कि आप पंजाब में फल-फूल रहे ?20,000 करोड़ के अवैध खनन को तुरंत बंद करवा देंगे और आज NGT के आदेश ने साबित कर दिया है कि

आपकी सारी गारंटी गटर में फेंकने लायक हैं। पंजाब की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने कहा- मुझे पहले से लगता था कि यह इकट्ठे होंगे। हालांकि कोई बदलाव नहीं होगा। मुझे पता था कि टूटी बाजू इकट्ठी होंगी, लेकिन यह रहेंगी टूटी हुई ही। अकाली-भाजपा ने मिलकर 3 बार सरकार बनाई... पंजाब में अकाली दल और भाजपा का गठबंधन वर्ष 1996 में हुआ और तकरीबन 25 साल चला। ये पंजाब की सियासत के सबसे

सफल सियासी गठजोड़ों में से एक रहा। दोनों पार्टियों ने गठबंधन के महज एक साल बाद वर्ष 1997 में पहली गठबंधन सरकार बनाई। दोनों पार्टियों को 2007 और 2012 के विधानसभा चुनाव में भी पूर्ण बहुमत मिला।



40 साल बाद बोफोर्स केस बंद:सुप्रीम कोर्ट ने आखिरी याचिका खारिज की, घोटाले के आरोप से राजीव गांधी 1989 का चुनाव हारे थे

नई दिल्ली, एजेंसी।

करीब 40 साल पुराने बोफोर्स घोटाले पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को आखिरी याचिका भी खारिज कर दी। इसके साथ ही अब यह मामला पूरी तरह खत्म हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अब इस केस में आगे सुनवाई की जरूरत नहीं है। कोर्ट ने 2005 के दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली अपील भी सुनने से मना कर दिया, जिसमें हिंदुजा ब्रदर्स और बोफोर्स कंपनी को बरी कर दिया गया था। क्या था बोफोर्स घोटाला यह मामला 1986 में भारत सरकार और स्वीडन की कंपनी एबी बोफोर्स के बीच हुई 1,437 करोड़ रुपए की तोप खरीद डील से जुड़ा है। 1987 में खुलासा हुआ कि इस सौदे को हासिल करने के लिए कथित रूप से कमीशन (रिश्वत) दिया गया।



घोटाले के आरोप से राजीव गांधी 1989 का चुनाव हार गए थे। इसके बाद यह मामला देश के सबसे बड़े राजनीतिक घोटालों में शामिल हो गया। केस क्यों कमजोर पड़ा बोफोर्स केस लंबे समय तक चर्चा में रहा, लेकिन अदालत में यह टिक नहीं दे सकी। आरोप तो लगाए गए, लेकिन उन्हें सीधेतौर पर किसी आरोपी से जोड़ने वाली कड़ी नहीं मिल पाई। विदेशी दस्तावेज प्रमाणित नहीं थे जांच में CBI को स्वीडन से जो कागज मिले, वे असली नहीं थे और ठीक से सत्यापित भी नहीं थे। कोर्ट ने कहा कि ऐसे कागजों के आधार पर किसी को आरोपी बनाना सही नहीं है और इससे न्याय प्रक्रिया का गलत इस्तेमाल होता है। आरोप और पैसों के बीच लिंक साबित नहीं हुआ कमीशन का आरोप था, लेकिन यह साबित नहीं हो सका कि जो पैसा मिला, वह सीधेतौर पर इस डील से जुड़ा था या किसी आरोपी तक पहुंचा। देरी से केस कमजोर हुआ जांच और कानूनी प्रक्रिया में सालों की देरी हुई। इससे न सिर्फ सबूत कमजोर पड़े, बल्कि कई अहम गवाह और आरोपी भी समय के साथ उपलब्ध नहीं रहे। इससे केस की विश्वसनीयता पर असर पड़ा। केस बंद होने से पहले CBI की आखिरी कोशिश सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पहले तक भी CBI इस मामले में कुछ नई जानकारीयां ढूंढने में लगी हुई थी।

एजेंसी ने अमेरिका के माइकल हर्शमैन से जुड़ी जानकारी पाने की कोशिश की। हर्शमैन ने 2017 में कहा था कि बोफोर्स डील की जांच को उस समय की सरकार ने प्रभावित किया था और वो खुद इस मामले में मदद करना चाहते थे। लेकिन जब CBI ने उनसे जुड़े कागज और रिकॉर्ड मांगे तो कुछ खास हाथ नहीं लगा। एजेंसी ने इंटरपोल और अमेरिका के अधिकारियों को कई बार चिट्ठियां भी भेजीं, लेकिन वहां से भी कोई ठोस जवाब नहीं मिला। आखिर में CBI को 2025 में कोर्ट के जरिए 'लेटर रोगेटरी' भेजकर अमेरिका से मदद मांगनी पड़ी। कोर्ट ने भी माना था कि हर्शमैन के दावों की सच्चाई जानने के लिए विदेश में जांच जरूरी है। जब CBI को किसी केस में विदेश से सबूत चाहिए होते हैं तो एजेंसी अदालत के जरिए दूसरे देश से मदद मांगने के लिए आधिकारिक चिट्ठी भेजती है।

डाबर के '100% प्योर' दावे वाले प्रोडक्ट्स पर बैन टला

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने डाबर को अंतरिम राहत दी है। कोर्ट ने FSSAI के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें '100% प्योर', '100% नेचुरल' और '100% ऑर्गेनिक' जैसे दावों वाले उत्पादों की बिक्री तुरंत रोकने को कहा था। जस्टिस अमित महाजन की बेंच ने केंद्र और FSSAI को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जब तक मामले में अगली सुनवाई नहीं होती, तब तक FSSAI का बैन ऑर्डर सस्पेंड रहेगा।

मिथुन के स्वास्थ्य में सुधार मिथुन चक्रवर्ती की सर्जरी हुई : हाथ में लगी प्लेट निकाली गई, सीएम शुभेंदु ने अस्पताल जाकर हालचाल लिया



राजनीति

उत्तर प्रदेश का चुनाव तय करेगा केन्द्रीय राजनीति की दिशा

2027 में उत्तर प्रदेश का चुनाव होना है। उत्तर प्रदेश भारत के सबसे बड़े प्रदेशों में गिना जाता है और विधानसभा का चुनाव काफी महत्वपूर्ण है। उत्तर प्रदेश वह राज्य है, जहां का चुनाव केन्द्रीय राजनीति को दिशा देता है। राजनीतिक विशेषज्ञ मानते हैं, कि जो उत्तर प्रदेश जीत लिया, केन्द्र में लगभग उसी की सरकार बनना तय है। 2027 में उत्तर प्रदेश सहित 05 राज्यों में विधानसभा का चुनाव होना है और इन सब में सबसे महत्वपूर्ण उत्तर प्रदेश का चुनाव माना जा रहा है, क्योंकि यहीं से केन्द्रीय राजनीति की दिशा और दशा दोनों तय होती है। लोकसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कथित उपेक्षा से भाजपा को यहां भारी नुकसान उठाना पड़ा था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अभी से उत्तर प्रदेश में चुनाव का बिगुल फूंक दिया है और एन्टी कंबेंसी को कंट्रोल करने के लिए ब्रह्मास्त्रों का उपयोग कर रहे हैं और साथ में युवाओं को भी साधने में लगे हुए हैं। अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी को विपक्ष बड़ा मुद्दा बनाने में लगा हुआ है, लेकिन इस मुद्दे को जिस तरह से विपक्ष को लपकना था, लपक नहीं पाया, लेकिन चुनाव में जरूर बड़ा मुद्दा बनने वाला है। इस मुद्दे को विपक्ष भुना ना पाए, इसके लिए योगी जोड़-तोड़ में लग गए हैं। केन्द्र में जेन-जी का आंदोलन भी विपक्ष के लिए संजीवनी का काम कर सकता है, लेकिन इसे भी विपक्ष नहीं भुना पाया और सारा श्रेय काजपा ले गई और विपक्ष मुंह ताकता रहा। जो युवाओं को साध लिया, समझो चुनाव में उसी की जीत होती है। आज तक देखने में जो आया है, उसके मुताबिक भाजपा आज भी अनुशासित राजनीतिक दल है और यहां जो भी भाजपा के खिलाफ बोला, वह सदा के लिए राजनीति से गायब हो जाता है और राजनीति में उसका अस्तित्व ही लगभग खत्म हो जाता है, इसीलिए भाजपा में आज तक टूट नहीं हुई और आगे बढ़ती गई तथा आज दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है, इसके उलट कांग्रेस एक ऐसी पार्टी है, जिसमें न तो अनुशासन है और न ही बड़बोलों की कमी। फोरम के अंदर न बोल कर कई वरिष्ठ कांग्रेसी खुलेआम सार्वजनिक मंच पर अपने नेतृत्व को ही आड़े हाथ ले लेते हैं और कांग्रेसियों की ही बुराईयां करने लगते हैं, जिसके कारण कांग्रेस टूटती-टूटती आज अपने ही अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है और उसकी स्थिति क्षेत्रीय दल जैसी हो गई है। चुनाव के समय विपक्ष के कई राजनीतिक दल एक मंच पर आने की कोशिश करते हैं और दिखाने लगते हैं कि हम सब मिलकर भाजपा को हराएंगे और जैसे ही चुनाव नजदीक आता है, सब अपना-अपना राग अलापने लग जाते हैं और विपक्षीय एकता छिन्नभिन्न हो जाती है। भाजपा में कई ऐसी शख्सियतें हैं, जो तोड़ो और राज करो की कूटनीतिक चाल चलते हैं, जिसमें भाजपा कामयाब भी होती है। भाजपा में एक ऐसा चाणक्य भी है, जिसकी कूटनीतिक चाल से सभी दल चारों खाने चित हो जाते हैं और भाजपा अपना साम्राज्य बढ़ाती जा रही है, जबकि अन्य विपक्षीय दल सिमटते जा रहे हैं। देखना है कि इस बार योगी के विपक्ष में विपक्षी एकता कितना कामयाब होती है।

-संपादक

सशक्त बचपन, समृद्ध छत्तीसगढ़

किसी भी राज्य की वास्तविक प्रगति उसके बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा से मापी जाती है। छत्तीसगढ़ ने इसी सोच को आधार बनाकर बच्चों के सर्वांगीण विकास को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की दूरदर्शी नीतियों और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के सक्रिय नेतृत्व में प्रदेश में बच्चों के पोषण, संरक्षण और भविष्य निर्माण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल हुई हैं। आईसीडीएस, मिशन वात्सल्य, पोषण अभियान और बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन ने राज्य को बाल विकास के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई है।

आंगनवाड़ी केन्द्र बने बच्चों की शिक्षा एवं पोषण के आधार
प्रदेश में 11 हजार 490 आंगनवाड़ी केंद्रों को सक्षम और आकर्षक बनाने का कार्य तेजी से जारी है। इन केंद्रों में बिल्डिंग एज लर्निंग एड (BaLA) पेंटिंग, पोषण वाटिका, खेल एवं शिक्षण आधारित गतिविधियों जैसी आधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं, जिससे बच्चे सीखने के साथ आनंदमय वातावरण में विकसित हो सकें। मनरेगा अभिसरण के माध्यम से 2 हजार 337 नए आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण को स्वीकृति मिली है। वहीं पीएम जनमन योजना के अंतर्गत 191 नए आंगनवाड़ी केंद्र संचालित किए जा चुके हैं। नियद नेल्ला नार 2.0 के तहत 10 जिलों में 12 हजार 964 आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों तक सेवाएं पहुंचा रहे हैं। मानव संसाधन सुदृढ़ीकरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की संख्या 51 हजार 45 से बढ़कर 52 हजार 258 तथा सहायिकाओं की संख्या 44 हजार 826 से बढ़कर 51 हजार 548 हो गई है, जिससे सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता दोनों में सुधार आया है।



कुपोषण पर प्रभावी प्रहार
छत्तीसगढ़ राज्य में बच्चों में कुपोषण कम करने की दिशा में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। पोषण ट्रेकर ऐप के आंकड़ों के अनुसार 0-5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों में स्टंटिंग में 7.82 प्रतिशत की कमी, वेट में 4.36 प्रतिशत की कमी, अंडरवेट में 2.76 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। दिसंबर 2023 में जहां बौनापन की दर 30.27 प्रतिशत थी, वह जून 2026 तक घटकर 22.45 प्रतिशत रह गई। यह उपलब्धि पोषण प्रबंधन, नियमित मॉनिटरिंग, सामुदायिक सहभागिता और आंगनवाड़ी आधारित सेवाओं के प्रभावी संचालन का परिणाम है।

पोषण अभियान में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन
राष्ट्रीय पोषण माह और पोषण पखवाड़ा के दौरान छत्तीसगढ़ ने देशभर में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वित्तीय वर्ष 2024-25 में छत्तीसगढ़ राज्य प्रति आंगनवाड़ी गतिविधियों में प्रथम स्थान पर रहा। अप्रैल 2025 के पोषण पखवाड़ा में भी छत्तीसगढ़ ने राष्ट्रीय स्तर पर पहला स्थान प्राप्त किया। प्रदेश में सितंबर-अक्टूबर 2025 के पोषण

माह के दौरान 71 हजार 887 गतिविधियां और अप्रैल 2026 के पोषण पखवाड़ा में 34 लाख 93 हजार 474 गतिविधियां आयोजित की गईं। साथ ही स्थानीय स्तर पर पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के लिए रेडी टू ईट इकाइयों की स्थापना की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल शुरू हो चुकी है।

मिशन वात्सल्य से बच्चों की सुरक्षा और संबल
अनाथ, परित्यक्त और विशेष संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के लिए मिशन वात्सल्य प्रभावी सुरक्षा कवच बनकर उभरा है। राज्य में बाल देखरेख संस्थाओं की संख्या बढ़कर 109 हो गई है। मुख्यमंत्री बाल उदय योजना के माध्यम से सैकड़ों बच्चों को शिक्षा, देखभाल और पुनर्वास का लाभ मिला है। चाइल्ड हेल्पलाइन में प्राप्त 1 लाख 65 हजार 979 कॉलों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए हजारों मामलों का निराकरण किया गया।

बाल संरक्षण सेवाओं के विस्तार का प्रभाव दत्तक ग्रहण और स्पॉन्सरशिप योजनाओं में



भी स्पष्ट दिखाई देता है। दत्तक ग्रहण से लाभान्वित बच्चे 42 से बढ़कर 234 और स्पॉन्सरशिप से लाभान्वित बच्चे 767 से बढ़कर 2 हजार 37 हो गए हैं। यह वृद्धि बच्चों को पारिवारिक वातावरण और बेहतर भविष्य उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार की संवेदनशील प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ की ओर मजबूत कदम
राज्य सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान ने सामाजिक जागरूकता और प्रशासनिक सक्रियता दोनों को नई दिशा दी है। बाल विवाह प्रतिरोध अधिकारियों की संख्या बढ़कर 1 हजार 382 हो गई है। इसके परिणामस्वरूप रोकें गए बाल विवाहों की संख्या 109 से बढ़कर 888 तक पहुंच गई है। यह परिवर्तन केवल प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि बेटियों के शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मानजनक भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण सामाजिक बदलाव का संकेत है।

भविष्य की मजबूत नींव
मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के नेतृत्व में संचालित ये प्रयास छत्तीसगढ़ के लाखों बच्चों को स्वस्थ, सुरक्षा, शिक्षित और सशक्त भविष्य की ओर अग्रसर कर रहे हैं। आधुनिक आंगनवाड़ी व्यवस्था, पोषण सुधार, बाल संरक्षण सेवाओं का विस्तार और बाल विवाह उन्मूलन जैसे बहुआयामी प्रयासों ने छत्तीसगढ़ को बाल विकास के क्षेत्र में एक प्रेरणादायी और आदर्श राज्य के रूप में स्थापित किया है।

सशक्त बचपन ही विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे मजबूत नींव है और राज्य सरकार उसी नींव को और अधिक मजबूत बनाने के संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है। जसं।

स्वस्थ बचपन विकसित भारत का आधार



बच्चा जब जन्म लेता है, तो उसका अधिकार बन जाता है कि उसे सुपोषित आहार मिले। नौनिहाल बचपन का आहार माँ का दूध होता है और नौनिहाल को पर्याप्त दूध तब मिलेगा, जब माँ सुपोषित होगी। भारत में आज भी कुपोषण एक महामारी के रूप में विद्यमान है, जिसे खत्म करना जरूरी है।

नौनिहाल जब माँ की गोद से उतर कर माँ भारती के कदम को पहली बार स्पर्श करता है, तब नौनिहाल का बचपन प्रारंभ होता है और माँ के दूध के साथ उसे स्वस्थ और सुपोषित आहार की आवश्यकता होती है, नहीं तो गरीब परिवार में जन्म लिया बच्चा कुपोषण का शिकार हो जाता है और यहां से वह अपने जीवन के लिए संघर्ष प्रारंभ करता है। कुपोषण के संघर्ष में कई जीवन हार जाता है, तो

भारत जैसे सभ्य समाज के लिए एक अभिशाप है, दुर्भाग्य भी।

सरकारी योजनाएं कागजों में न सिमटे और जिम्मेदार अधिकारी किसी भी बच्चा और गर्भवती माँ का यह हक न छीने, तो शायद भारत को विकसित भारत बनाने से कोई नहीं रोक सकता, क्योंकि स्वस्थ बचपन से ही स्वस्थ युवा और स्वस्थ भारत की परिकल्पना साकार होगी। जब युवा समर्थ होगा, तभी समर्थ भारत का निर्माण संभव हो सकेगा। युवा भारत के भाग्य विधाता हैं।

जनसंख्या को देखने का नजरिया दो तरह से होता है। कोई बढ़ती जनसंख्या को भारत की बढ़ती ताकत के रूप में देखता है, तो कोई बढ़ती जनसंख्या को भारत का बोझ मानता है। हमारी नजरिया सकारात्मक होनी चाहिए और अब हम जिस स्थिति में हैं, उसके अनुसार युवा हमारी ताकत बनें, इसके लिए बचपन को सुपोषित होना जरूरी है और सुपोषित बचपन एक समर्थ युवा को जन्म देगा।

जिस तरह से बीमारी शरीर को अस्वस्थ और कमजोर बना देती है, उसी तरह कुपोषण हमारे समर्थ समाज के लिए एक बीमारी है और इस बीमारी को खत्म करना जरूरी है।

गरीब अभिभावक भी इस बात को अच्छी तरह से समझ लें, कि किसी भी तरह नौनिहाल और बालसुलभ बचपन को समझलें और बच्चों को स्वस्थ रखने बीड़ा उठाएं। सरकारी योजनाओं का लाभ लें और अपने अधिकार पाने के लिए संघर्ष भी करें।

आज स्वस्थ बचपन के लिए कई सरकारी योजनाएं संचालित हैं, लेकिन अधिकारियों की बेईमान नियत और भ्रष्ट सिस्टम के कारण अशिक्षित और दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों तक ये योजनाएं पहुंच नहीं पातीं। जनजागरूकता का अभाव भी इसका प्रमुख कारण है। अधिकारी अशिक्षित लोगों तक योजनाओं का लाभ देने कितने जिम्मेदार होते हैं, यह छत्तीसगढ़ के कुपोषित दर से ही पता लग सकता है, कि किस तरह अधिकारी किंकर्तव्य विमूढ़ होकर सिस्टम को ही बीमार कर बैठें हैं।

शिक्षा का अधिकार
आज भी कई बचपन पाठशाला का मुख देखे युवावस्था को पहुंच जाते हैं और कई प्राथमिक पाठशाला के बाद विद्यालय छोड़ देते हैं और भ्रष्ट सिस्टम के कारण गरीब वर्ग शिक्षा का अधिकार से वंचित हो जाते हैं। मैं यह नहीं कहता कि सारे अधिकारी भ्रष्ट होते हैं, लेकिन कुछ अधिकारियों की भ्रष्ट कार्यशैली से सैकड़ों हजारों गरीब वर्ग अपने अधिकार से वंचित हो जाते हैं।

कुछ लोग कहते हैं कि जीवन स्तर सुधरने के लिए एक-दो पीढ़ी गुजर जाती है, लेकिन आज का सिस्टम देखकर ऐसा लगता है कि ना जाने कितनी पीढ़ी लग जाएगी। जब पूरा सिस्टम शतप्रतिशत सुधार जाएगा, तो नौनिहाल और बचपन शिक्षित होगा और शिक्षित बचपन से ही समर्थ युवा और सक्षम भारत-विकसित भारत की परिकल्पना साकार होगी। इति



जब फफक कर रो पड़ीं शेख हसीना

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना 2024 में सत्ता से हटने और भारत में निर्वासित होने के बाद अपना पहला सार्वजनिक संबोधन दिया। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपनी बात खुलकर रखी। इस दौरान वह इमोजनल हो गईं। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का कहना है कि मुहम्मद यूनस की सरकार का पुलिसकर्मियों के हत्याओं को सुरक्षा (इंडेमिटी) देने का एक फ़ैसला उनके असली मकसद को जाहिर करता है। उनका कहना है कि उन्होंने इस मामले की जांच शुरू की थी, लेकिन मुहम्मद यूनस की 'गैर-कानूनी अंतरिम सरकार' ने उसे रोक दिया। वे सवाल करती हैं, 'अगर उन्हें डर नहीं था, तो उन्होंने सेच सामने क्यों नहीं आने दिया?' शेख हसीना ने आरोप लगाया कि उनके सत्ता से हटने के बाद से ही अवामी लीग के हजारों नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ-साथ पुलिसकर्मियों, पत्रकारों, वकीलों, जजों और अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों को गिरफ्तारी, टॉर्चर और हिंसा का सामना करना पड़ा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि 2024 का आंदोलन 'संविधान पर एक सुनियोजित हमले' में बदल गया और मौजूदा सरकार पर असहमति को दबाने और आजादी की लड़ाई (लिबरेशन वॉर) से जुड़े लोगों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। इस दौरान शेख हसीना अपने परिवार के सदस्यों को याद कर रोने लगीं। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ये वो बांग्लादेश नहीं है, जिसके लिए लाखों शहादत दी गईं।

एक निजी चैनल द्वारा बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की थी और 05 अगस्त को शेख हसीना ने खुलकर बातें की और अपने बांग्लादेश परिवार को याद कर फफक पड़ीं। उन्होंने कहा कि वे बांग्लादेश से दूर हैं, लेकिन वे हमेशा अपने लोगों के पास हैं। उन्होंने कहा कि वे भारत से कभी रिश्ता खराब नहीं करना चाहती और भारत पड़ोसी देश होने के कारण पड़ोसी धर्म निभाता रहा। एजेंसी।

किन्नौर कैलाश यात्रा



दिल्ली से शिमला और रिकांग पियो होते हुए पांच दिनों के कठिन ट्रेकिंग रूट के बावजूद किन्नौर कैलाश यात्रा करने देशभर से हजारों लाखों लोग पहुंचते हैं।

सावन का महीना शुरू हो चुका है। ऐसे में शिव भक्त अलग-अलग तीर्थस्थल पर जाने का प्लान करते हैं। इन्हीं में से एक है किन्नौर कैलाश यात्रा। यहां पर जाने का हर किसी का सपना होता है। हिमाचल प्रदेश की प्रसिद्ध किन्नौर कैलाश यात्रा है, जहां हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं।

वैसे यहां पर पहुंचने के लिए कठिन ट्रेक से गुजरना पड़ता है। यदि आप इस बार किन्नौर कैलाश जाने का प्लान बना रहे हैं, तो पहले इस बारे में सभी जानकारी जान लें।

किन्नौर कैलाश यात्रा क्यों है खास ?
आपको बताते चलें कि, हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में स्थित किन्नौर कैलाश भगवान

शिव का पवित्र धाम है। यहां पर मौजूद प्राकृतिक शिवलिंग जैसी विशाल चट्टान श्रद्धालुओं के लिए आस्था केंद्र हैं। हर साल सावन में हजारों यहां पर हजारों भक्तजन आते हैं। आपको बता दें कि, यह ट्रेक आसान नहीं है, इसलिए बेहद जरूरी है फिजिकली फिट होना।

दिल्ली से कैसे जाएं ?
पहला स्टेज- दिल्ली से शिमला
बता दें कि, दिल्ली से शिमला की दूरी करीब 340-360 किलोमीटर है। इधर से आप बस से भी जा सकते हैं।

दूसरा स्टेज- शिमला से रिकांग पियो
जब आप शिमला पहुंच जाएंगे, तो रिकांग पियो जाना होगा। जिसकी दूरी करीब 220 किलोमीटर है। यहां से आपको हिमाचल रोडवेज और प्राइवेट बसें दोनों ही मिल जाएंगी। चाहे आप टैक्सी से भी जा सकते हैं।

तीसरा स्टेज- रिकांग पियो से टांगलिंग गांव

टांगलिंग गांव ही यात्रा का बेस कैंप माना जाता है। बता दें कि, यहीं से किन्नौर कैलाश ट्रेक शुरू होता है।

कितना कठिन ट्रेक है ?

दरअसल, किन्नौर कैलाश ट्रेक की गिनती सबसे कठिन ट्रेक में से एक है। ट्रेकिंग की शुरुआत टांगलिंग गांव से होती है। रास्ते में मिलिंग खाटा और पार्वती कुंड जैसे कई पड़ाव आते हैं। फिर यहां पर भक्तजन पहुंचते हैं। बता दें कि, यहां की ऊंचाई बहुत ज्यादा है, जिस कारण से सांस फूलना और थकान महसूस होना आम बात है। इसलिए जल्दबाजी करने की बजाय धीरे-धीरे चढ़ाई करें।

सबसे जरूरी रजिस्ट्रेशन कराना

- आप बिना रजिस्ट्रेशन के यात्रा नहीं कर सकते हैं।
- मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट मँडेटरी है।
- प्रत्येक दिन 375 श्रद्धालुओं को ही जाने की अनुमति मिलेगी।
- आप ऑनलाइन या ऑफलाइन दोनों तरह से आप रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।



बीमा क्लेम में देरी अब पड़ेगी भारी, कंपनियों को देना होगा अतिरिक्त ब्याज

नई दिल्ली, एजेंसी।

बीमा दावों के निपटारे में होने वाली देरी पर केंद्र सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। सरकार ने दावा प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और ग्राहक हितैषी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। नए प्रावधानों के तहत यदि कोई बीमा कंपनी तय समय सीमा में क्लेम का भुगतान नहीं करती है, तो उसे बैंक दर से दो प्रतिशत अधिक ब्याज के साथ राशि का भुगतान करना होगा।

राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि सरकार, बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (IRDAI) के साथ मिलकर बीमा दावों के निस्तारण की लगातार निगरानी कर रही है। इसके लिए बीमा भरोसा पोर्टल समेत अन्य माध्यमों से ग्राहकों की शिकायतों और क्लेम से जुड़े मामलों पर नजर रखी जा रही है।

सरकार ने दावा खारिज करने की प्रक्रिया को भी अधिक पारदर्शी बनाया है। अब किसी बीमा दावे को अस्वीकार करने से पहले संबंधित समिति की मंजूरी लेना अनिवार्य होगा, ताकि मनमाने ढंग से क्लेम खारिज न

किए जा सकें।

ग्राहकों के हित में प्रमुख बदलाव पारदर्शी क्लेम प्रक्रिया

बीमा कंपनियों को अपनी पॉलिसी में क्लेम की पूरी प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों की सूची स्पष्ट रूप से बतानी होगी।

आसान क्लेम पंजीकरण

ग्राहक ऑनलाइन पोर्टल, कॉल सेंटर या अन्य अधिकृत माध्यमों से आसानी से दावा दर्ज करा सकेंगे। इस प्रक्रिया में बीमा कंपनियों को पूरा सहयोग देना होगा।

देरी पर अतिरिक्त ब्याज

तय समय में भुगतान नहीं होने पर कंपनियों को बैंक दर से दो प्रतिशत अधिक ब्याज जोड़कर क्लेम राशि का भुगतान करना होगा।

तेज और निष्पक्ष निपटारा

बीमा कंपनियों को दावों का शीघ्र और निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित करना होगा। इसके लिए नियमित निगरानी के साथ कंपनी के शीर्ष अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की गई है। सरकार का मानना है कि इन बदलावों से बीमाधारकों के अधिकार मजबूत होंगे, दावा प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी और ग्राहकों को समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जा सकेगा।

घर का सोना बेच नहीं रहे लोग, गिरवी रखकर उठा रहे कर्ज, Gold loan का बढ़ा चलन

नई दिल्ली, एजेंसी।

देश में सोने की रिकॉर्ड कीमतों ने लोगों के व्यवहार में बड़ा बदलाव ला दिया है। पहले जरूरत पड़ने पर परिवार सोना बेच देते थे लेकिन अब अधिकतर लोग गहने बेचने के बजाय उन्हें गिरवी रखकर कर्ज लेना पसंद कर रहे हैं। दूसरी ओर, आभूषणों की मांग में कमी आई है, जबकि निवेश के रूप में सोना खरीदने और गोल्ड लोन लेने का चलन तेजी से बढ़ा है।

महंगा हुआ सोना, गहनों की मांग घटी

विश्व स्वर्ण परिषद (WGC) के अनुसार चालू वर्ष की पहली छमाही में देश में कुल स्वर्ण मांग बढ़ी लेकिन आभूषणों की खरीद कमजोर रही। ऊंची कीमतों के कारण लोगों ने नए गहने खरीदने से दूरी बनाई, जबकि निवेश के उद्देश्य से सोने की खरीद अपेक्षाकृत मजबूत बनी रही।

गोल्ड बार की ओर बढ़ा रुझान

विशेषज्ञों का कहना है कि अब निवेशक पारंपरिक आभूषणों के बजाय गोल्ड ई.टी.एफ., सोने की ईंटों और सिक्कों में अधिक निवेश कर रहे हैं। बढ़ती कीमतों के बीच इन्हें बेहतर निवेश विकल्प माना जा रहा है। शहरी और युवा निवेशकों में यह रुझान तेजी से बढ़ रहा है। बढ़ी हुई कीमतों के कारण लोग अपने पुराने गहने बेचने के बजाय

उन्हें गिरवी रखकर बैंक और वित्तीय संस्थानों से ऋण ले रहे हैं। इससे जरूरत के समय नकदी भी मिल जाती है और परिवार की

स्वर्ण संपत्ति भी सुरक्षित रहती है। इसी वजह से गोल्ड लोन का कारोबार रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया है।



अर्थव्यवस्था पर भी दिख रहा असर

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि घरों में मौजूद विशाल स्वर्ण भंडार का बेहतर उपयोग हो सके तो इससे सोने के आयात पर निर्भरता कम होगी और चालू खाते के घाटे पर भी सकारात्मक असर पड़ सकता है। हालांकि, गोल्ड लोन के तेजी से बढ़ते बाजार पर नियामकों की नजर बनी हुई है ताकि वित्तीय जोखिम को नियंत्रित रखा जा सके।

स्वर्ण मुद्राकरण योजना को नहीं मिला अपेक्षित लाभ

सरकार ने वर्षों पहले घरों में पड़े निष्क्रिय सोने को आर्थिक व्यवस्था में लाने के लिए स्वर्ण मुद्राकरण योजना शुरू की थी लेकिन कर व्यवस्था और जटिल प्रक्रियाओं के कारण इसे अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी। इसके चलते अधिकांश परिवार अब भी अपना सोना घरों में सुरक्षित रखना या जरूरत पड़ने पर गिरवी रखना ही बेहतर विकल्प मान रहे हैं।

कोरबा समाचार

अजय धनोंदिया मल्टीपल अवॉर्ड से सम्मानित

कटघोरा (दिव्य आकाश)।

लॉयन्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233-सी सत्र 25-26 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर PMJF ला. विजय अग्रवाल के द्वारा अपने कार्यकाल में ला. अजय धनोंदिया को डिस्ट्रिक्ट के महत्वपूर्ण पद डिस्ट्रिक्ट PRO की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इस दायित्व का निर्वहन करते हुए अजय धनोंदिया ने पूरे डिस्ट्रिक्ट के अंतर्गत आने वाले सभी लॉयन्स क्लबों द्वारा संचालित शासकीय, प्रशासनिक एवं सेवा गतिविधियों का प्रभावी प्रचार-प्रसार किया। उन्होंने विभिन्न क्लबों की सामाजिक सेवा से जुड़ी उपलब्धियों एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को समाचार पत्रों एवं अन्य प्रचार माध्यमों के जरिए व्यापक पहचान दिलाई, जिससे डिस्ट्रिक्ट की गतिविधियों को नई पहचान मिली।

इसी उत्कृष्ट कार्य, सक्रियता एवं समर्पण को देखते हुए 24 मई 26 को इंदौर (मध्यप्रदेश) में आयोजित लॉयन्स मल्टीपल कन्वेंशन के दौरान मल्टीपल कार्डसिल चेयरपर्सन पीएमजेएफ ला मनीष शाह के द्वारा



डिस्ट्रिक्ट पीआरओ ला. अजय धनोंदिया को 'मल्टीपल अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। हालांकि व्यक्तिगत कारणों से वे इंदौर में आयोजित सम्मान समारोह में उपस्थित नहीं हो सके।

इसके बाद 29 जुलाई को होटल मायरा जमनीपाली में आयोजित लॉयन्स क्लब एनटीपीसी जमनीपाली के शपथ ग्रहण समारोह में इस सम्मान को औपचारिक रूप से प्रदान किया गया समारोह में मुख्य अतिथि निवृत्तमान डिस्ट्रिक्ट गवर्नर PMJF ला. विजय अग्रवाल तथा पूर्व मल्टीपल कार्डसिल चेयरपर्सन

एमजेएफ ला. राजेन्द्र तिवारी, पूर्व धनोंदिया को 'मल्टीपल अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। हालांकि व्यक्तिगत कारणों से वे इंदौर में आयोजित सम्मान समारोह में उपस्थित नहीं हो सके।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय अग्रवाल ने कहा कि अजय धनोंदिया ने डिस्ट्रिक्ट पीआरओ के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का अत्यंत निष्ठा, सक्रियता और कुशलता के साथ निर्वहन किया। उनके प्रयासों से डिस्ट्रिक्ट की सेवा गतिविधियों को व्यापक प्रचार मिला तथा समाज में

लॉयन्स इंटरनेशनल की सकारात्मक छवि और अधिक सुदृढ़ हुई। उन्होंने न केवल डिस्ट्रिक्ट स्तर पर उत्कृष्ट कार्य किया, बल्कि अपने होम क्लब लॉयन्स क्लब कटघोरा-छुरी में संरक्षक के रूप में भी निरंतर सक्रिय रहकर सेवा कार्यों को नई गति प्रदान की।

सम्मान प्राप्त करने पर अजय धनोंदिया ने लॉयन्स इंटरनेशनल के वरिष्ठ पदाधिकारियों, अपने क्लब के सदस्यों एवं सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं, बल्कि पूरे डिस्ट्रिक्ट एवं सभी लॉयन्स साथियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने भविष्य में भी समाजसेवा एवं संगठन के प्रचार-प्रसार के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करते रहने का संकल्प व्यक्त किया।

यह सम्मान समारोह उपस्थित सभी लॉयन्स सदस्यों के लिए गर्व एवं प्रेरणा का विषय रहा। अजय धनोंदिया की इस उपलब्धि पर क्षेत्र के सामाजिक संगठनों, शुभचिंतकों एवं लॉयन्स परिवार ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कोरबा (दिव्य आकाश)।

केंद्र सरकार के निर्देशानुसार 09 से 17 अगस्त 2026 तक आयोजित होने वाले 'हर घर तिरंगा एवं वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ' कार्यक्रम के अंतर्गत कोरबा जिले में भी विभिन्न देशभक्ति एवं जनभागीदारी आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों की सफल तैयारियों को लेकर कलेक्टर कुणाल दुदावत ने जिले के सभी विभागों को आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने तथा अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान, देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का अवसर है। उन्होंने सभी विभागों को अपने-अपने स्तर पर कार्यक्रमों की प्रभावी तैयारी करने तथा शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों के साथ आम नागरिकों, विद्यार्थियों, युवाओं, स्व-सहायता समूहों, जनप्रतिनिधियों और

सामाजिक संगठनों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

जिले में तिरंगा यात्रा, तिरंगा रैली, तिरंगा दौड़ एवं मैराथन, तिरंगा लाइटिंग एवं डेकोरेशन, तिरंगा कैनवास, तिरंगा प्रतिज्ञा, तिरंगा सेल्फी, तिरंगा सम्मान और तिरंगा मेला सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। तिरंगा यात्राओं एवं रैलियों में विद्यार्थियों, युवाओं, जनप्रतिनिधियों, पुलिस विभाग, शासकीय विभागों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

शैक्षणिक संस्थानों में भी होंगे विशेष आयोजन

कलेक्टर ने शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग को जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों में तिरंगा यात्रा, तिरंगा रैली, तिरंगा दौड़ एवं मैराथन सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में तिरंगा कैनवास, तिरंगा प्रतिज्ञा, तिरंगा सेल्फी, विशेष प्रदर्शनी तथा 'वंदे मातरम्' की थीम पर तिरंगा रंगोली जैसी गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी।

ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में भी होगी व्यापक भागीदारी

पंचायत विभाग को ग्राम, विकासखंड एवं जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में सहभागिता सुनिश्चित करने तथा स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को तिरंगा निर्माण के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए गए हैं। नगरीय निकायों को अपने-अपने क्षेत्रों में 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम के सुचारु संचालन में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला स्तर पर प्रत्येक गांव में तिरंगा वितरण एवं बिक्री केंद्र स्थापित करने तथा स्थानीय स्व-सहायता समूहों को तिरंगा निर्माण के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में भी आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। सभी ग्राम पंचायतों के सरपंचों एवं पदाधिकारियों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए कार्यक्रमों में ध्वज संहिता का विशेष रूप से पालन किया जाएगा।

'हर घर तिरंगा' अभियान के साथ इस वर्ष राष्ट्रीय 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ भी मनाई जा रही है।

प्राकृतिक उपचार एवं थेरेपी प्रशिक्षण

छत्तीसगढ़ में पहली बार

अगर आप भी चिकित्सक हैं, क्लिनिक चलाते हैं या चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े हुए हैं तो....

ये **सुनहरा अवसर** आपके लिए

2 दिवसीय कार्यशाला में हम सीखेंगे

- 2 दिवसीय गहन प्रशिक्षण (व्यावहारिक + सैद्धांतिक)
- सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा
- सीमित सीटें - अभी रजिस्ट्रेशन करें
- प्रेक्टिकल ट्रेनिंग के साथ 100% उपयोगी जानकारी

Bonus :- Clinic growth Activity & Poster Design making

Dr. Yugesh Sharma

7047824440

सीखें और आगे बढ़ें

स्थान : **छत्तीसगढ़** (विस्तृत जानकारी पंजीकरण के बाद दी जाएगी) अभी रजिस्ट्रेशन करें और अपने क्लिनिक को दें नई पहचान !



- 01 Agnikarma
- 02 Dry Needling
- 03 Fire Cupping
- 04 Wet Cupping / Hijama
- 05 Auriculo Therapy
- 06 Hot & Cold Therapy
- 07 Electro Homeopathy
- 08 Leech Therapy

प्राकृतिक उपचार एवं थेरेपी कार्यशाला

अगस्त माह में..

2 दिवसीय स्पेशल CME

छत्तीसगढ़ में पहली बार

चिकित्सक, मेडिकल पर कार्य करने वाले साथी / चिकित्सा क्षेत्र में रुचि रखने वालों के लिए **सुनहरा अवसर..**

कार्यशाला में हम क्या सीखेंगे

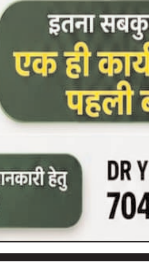
- 1 Auriculo Therapy (Ear Acu)
- 2 Dry Needling Therapy
- 3 Fire Cupping Therapy
- 4 Hot & Cold Therapy
- 5 Hijama / Wet Cupping
- 6 Agnikarma
- 7 Leech Therapy (रक्तमोक्षण)
- 8 Electro Homeopathy

Bonus :- Clinic Growth Activity or Poster Design

इतना सबकुछ.... **एक ही कार्यशाला में पहली बार..**

जल्दी अपना रजिस्ट्रेशन करवा लें.. **सिमित सीटें उपलब्ध**

अधिक जानकारी हेतु बात करें **DR YUGESH SHARMA :- 7047824440**



सीखो और कमाओ - 2 Days Advance Practical Training Program

छत्तीसगढ़ में पहली बार...

NATURAL HEALTH CARE & TRAINING CENTRE

प्रशिक्षण में शामिल:-

- HOT & COLD PAIN RELIEF THERAPY
- WET CUPPING / HIJAMA
- DRY CUPPING
- FIRE CUPPING
- AURICULO THERAPY
- LEECH THERAPY
- AGNIKARMA

बिल्कुल FREE (बिना अतिरिक्त शुल्क)

FREE ELECTRO HOMEOPATHY MEDICINE TRAINING

DR YUGESH SHARMA Mo. 7047824440

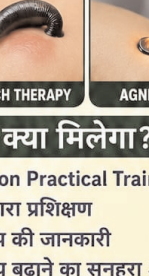
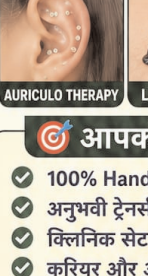
सम्पूर्ण फीस मात्र **4000/-** रु

LIMITED SEATS

Registration Fees: ₹2000/- मात्र

आज ही संपर्क करें!

स्थान: **छत्तीसगढ़** (संयुक्त जानकारी रजिस्ट्रेशन के बाद दी जाएगी)



सबसे पहले
लाइफ इंश्योरेंस

एलआईसी का
जीवन
उत्सव



Plan No.: 871

UIN: 512N363V01

जीवन के साथ भी
जीवन के बाद भी...

उत्सव
मनाने का
गारंटीड तरीका



आजीवन गारंटीड रिटर्न
के साथ



ऑनलाइन भी उपलब्ध

पूर्ण आयु जीवन बीमा एवं लाभ भुगतान के विकल्प

- सीमित प्रीमियम भुगतान अवधि 5 से 16 वर्ष
- प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान गारंटीकृत वृद्धि
- नियमित आय लाभ / फ्लेक्सी आय लाभ
- न्यूनतम मूल बीमा राशि 5 लाख

एक नॉन-लिंक्ड, नॉन-पार्टिसिपेटिंग, व्यक्तिगत, बचत, पूर्ण आयु जीवन बीमा योजना

एलआईसी है तो कहीं
और क्यों जाना...



सभी नई पॉलिसियों की अधिक जानकारी के लिए आज ही संपर्क करें-

सालिक राम राजवाड़े

(बीमा अभिकर्ता)

वेदांत बीमा सेवा केंद्र

कार्यालय : प्रेस क्लब तिलक भवन के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा

मो.नं.-90987-52955



LIC

भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हम पल आपके साथ

नए बीटीएपी एल्यूमिना रेलवे रेक के साथ बालको ने आपूर्ति श्रृंखला को किया और मजबूत

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अपनी लॉजिस्टिक्स क्षमता को और सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अपने रेलवे यार्ड में दूसरा बीटीएपी (बोगी टैंक एल्यूमिना पाउडर) एम-1 (बी12) रेलवे रेक शामिल किया है। यह कंपनी की प्रचालन दक्षता बढ़ाने, एल्यूमिना की बिना रूकावट आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा एक मिलियन टन वार्षिक उत्पादन क्षमता (1 एमटीपीए) के लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण निवेश है। एल्यूमिना एल्यूमिनियम उत्पादन का प्रमुख कच्चा माल है और इसकी समयबद्ध उपलब्धता उत्पादन प्रक्रिया के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्रतिदिन हजारों टन एल्यूमिना लंबी दूरी तय कर बालको के संयंत्र तक पहुंचता है। ऐसे में इसकी सुरक्षित, विश्वसनीय और निर्बाध आपूर्ति बनाए रखना कंपनी के संचालन की निरंतरता के लिए महत्वपूर्ण है। भारतीय रेलवे की लिबरलाइज्ड स्पेशल फ्रेट ट्रेन ऑपरेटर (एलएसएफटीओ) योजना के तहत शामिल किए गए इस



नए रेलवे रेक से रेल आधारित परिवहन को बढ़ावा मिलेगा। इससे सड़क परिवहन पर निर्भरता कम होगी, बड़ी मात्रा में एल्यूमिना का अधिक सुरक्षित एवं नियमित परिवहन संभव होगा तथा

लॉजिस्टिक्स लागत में दीर्घकालिक दक्षता आएगी। रेल परिवहन के माध्यम से सामग्री की आवाजाही अधिक व्यवस्थित, विश्वसनीय और पर्यावरण के अनुकूल बनेगी।

यह पहल पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति बालको की प्रतिबद्धता को भी मजबूत करती है। रेल परिवहन के बढ़ते उपयोग से लॉजिस्टिक्स से होने वाले कार्बन उत्सर्जन में कमी आने की संभावना है,

जो वेदांता के वर्ष 2050 तक नेट जीरो कार्बन लक्ष्य के अनुरूप है। नया रेलवे रेक बालको के आधुनिक डिजिटल लॉजिस्टिक्स नेटवर्क से भी जुड़ा हुआ है। 24x7 कंट्रोल टॉवर के

माध्यम से जीपीएस आधारित रियल-टाइम ट्रैकिंग, संयंत्र परिसर में केंद्रीयकृत सीसीटीवी निगरानी तथा सस्टेनेबल प्रचालन मॉनिटरिंग से सामग्री की आवाजाही पर निरंतर नजर रखी जाती है। इससे त्वरित निर्णय लेने, बेहतर समन्वय स्थापित करने और संपूर्ण सप्लाई चेन को अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिलती है। यह रेलवे रेक केवल परिवहन अवसंरचना का विस्तार नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप एक स्मार्ट, मजबूत और टिकाऊ सप्लाई चेन विकसित करने की दिशा में बालको की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। यह निवेश उत्पादन की निरंतरता सुनिश्चित करने, प्रचालन क्षमता बढ़ाने और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एक मिलियन टन वार्षिक उत्पादन क्षमता के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए बालको आधुनिक तकनीक, कुशल लॉजिस्टिक्स और टिकाऊ विकास के माध्यम से देश के एल्यूमिनियम उद्योग में उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रदेश सचिव संघ के महासचिव सुनील जायसवाल को पितृशोक सीएसईबी (वितरण) के सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं क्षेत्र के लब्धप्रतिष्ठित समाजसेवी कार्तिक राम जायसवाल का निधन: पंचतत्व में विलीन

कोरबा/पाली (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिले के विकासखण्ड पाली के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत परसदा निवासी सीएसईबी (वितरण) से सेवानिवृत्त वरिष्ठ क्लर्क 81 वर्षीय कार्तिक राम जायसवाल का 04 अगस्त को रायपुर स्थित संजीवनी हास्पिटल में निधन हो गया। वे कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके पार्थिव शरीर को रायपुर से परसदा लाया गया और अंतिम दर्शन के लिए निवास स्थान पर रखा गया तथा 05 अगस्त को उनका अंतिम संस्कार परसदा स्थित स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया। प्रदेश सचिव संघ के महासचिव सुनील जायसवाल को पितृशोक



प्रदेश ग्राम पंचायत सचिव संघ के महासचिव सुनील जायसवाल के पिता श्री कार्तिक राम जायसवाल 81 वर्ष की उम्र में अनंत यात्रा पर चले गए। वे अपने पीछे धर्मपत्नी, दो पुत्र अम्बिका जायसवाल (आंधवका), सुनील जायसवाल (महासचिव-प्रदेश पंचायत सचिव संघ छत्तीसगढ़), पांच पुत्रियां सहित नाती-नातिन, पोता-पोतियों से भरापूर परिवार रोता बिलखता छोड़ गए। पंचतत्व में विलीन हुए स्व.कार्तिक राम जायसवाल

क्षेत्र के लब्धप्रतिष्ठित समाजसेवी एवं ग्राम पंचायत परसदा के वरिष्ठ नागरिक स्वर्गीय श्री कार्तिक राम जायसवाल के पार्थिव शरीर को उनके निवास स्थान से मुक्तिधाम तक ले जाया गया। उनकी अंतिम यात्रा में क्षेत्र के लोग भारी संख्या में उपस्थित थे। उनका अंतिम संस्कार के बाद मुक्तिधाम में शोकसभा का आयोजन किया गया, जहां उपस्थित जनों ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें विमर्ग श्रद्धांजलि अर्पित की और उनकी पवित्र आत्मा की शांति के लिए अनंत ब्रह्म से प्रार्थना की। ईश्वर उनकी आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दे और शोक संतप्त परिवार को इस दुःखद घड़ी को सहने की क्षमता प्रदान करें।

भाजपा के जमीनी कार्यकर्ता थे स्व. श्री जायसवाल सीएसईबी से सेवानिवृत्त होने के बाद वे भाजपा में शामिल हुए और बचपन से ही

जनसंघ और भाजपा के विचारों से प्रभावित थे। वे आजीवन भाजपा के लिए कार्य करते रहे। आकर्षक व्यक्तित्व एवं समाजसेवा के प्रति समर्पित थे स्व.श्री जायसवाल स्व.श्री कार्तिक राम जायसवाल को बचपन से ही संस्कार मिले थे और लोगों की सेवा, माँ भारती की सेवा और संकट के समय लोगों का साथ निभाना। उनका व्यक्तित्व विशाल था और ग्राम पंचायत परसदा सहित पूरे पाली ब्लाक के वे ख्यातिलब्ध समाजसेवी थे और वे सामूहिक जीवन को तवज्जो देते थे। वे संयुक्त परिवार के हिमायती थे और लोगों को रिश्ते की अहमियत समझाते थे। वे धार्मिक और सामाजिक प्रवृत्ति के व्यक्ति होने के साथ-साथ एक राष्ट्रभक्त भी थे। माँ भारती की सेवा के लिए वे खेत, खलिहान के साथ अति लगाव रखने के साथ ही पेड़-पौधे लगाने लोगों को प्रेरित करते रहे। अपूरणीय क्षति

स्व.श्री कार्तिक राम जायसवाल के निधन से ग्राम पंचायत परसदा सहित क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। वे एक लब्ध प्रतिष्ठित नागरिक होने के साथ-साथ लोगों के सुख-दुःख में सदैव खड़े रहते थे, उनके निधन से एक विशाल व्यक्तित्व की अपूरणीय क्षति लोग महसूस कर रहे हैं। दिव्य आकाश परिवार की ओर से स्व.श्री कार्तिक राम जायसवाल को शत-शत नमन एवं विनम्र श्रद्धांजलि।

महतारी वंदन योजना की 30वीं किश्त की राशि महिलाओं के खातों में अंतरित

कोरबा (दिव्य आकाश)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार को महतारी वंदन योजना की 30वीं किश्त की राशि प्रदेश की लाखों महिलाओं के बैंक खातों में अंतरित की। योजना के माध्यम से महिलाओं को प्रतिमाह मिलने वाली आर्थिक सहायता उनके दैनिक जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने और परिवार के

महत्वपूर्ण निर्णयों में उनकी भागीदारी को मजबूत करने में सहायक बन रही है। महतारी वंदन योजना से लाभान्वित हो रही कोरबा शहर के रेलवे कॉलोनी निवासी श्रीमती शकुंतला कुरें, पति धनंजय कुरें, योजना को महिलाओं के लिए उपयोगी और संबल प्रदान करने वाली पहल बताती हैं। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा योजना की शुरुआत किए जाने के बाद उन्होंने भी योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन किया था।

पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल छत्तीसगढ़ रत्न से होंगे सम्मानित

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा के जानेमाने उद्योगपति, समाजसेवी एवं द इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ लायंस क्लब्स एमडि 3233 के पूर्व वाईस मल्टीपल कार्टिसिल चेयरमैन, डिस्ट्रिक्ट 3233सी के पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एवं नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा (मड़वारांनी) के डायरेक्टर पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल के सेवा के इतिहास में एक और सम्मान जुड़ने जा रहा है। 14 अगस्त को रायपुर में आयोजित एक बेहद और खास सम्मान समारोह में उन्हें छत्तीसगढ़ रत्न से सम्मानित किया जाएगा। लिटिल जिनियस अकेडमिक कार्टिसिल, रेंडिंट टैलेंट बुक ऑफ रिकार्ड, ज्ञान उदय फाउंडेशन, वर्ल्ड सेवन वंडर्स पब्लिकेशन एवं नेचर पाथ प्रोजेक्ट के तत्वावधान में



रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय आडिटोरियम में होगा सम्मान समारोह

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या 14 अगस्त अपराह्न 3.00 बजे होगा आयोजन

रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय आडिटोरियम में अपराह्न 3.00 बजे से आयोजित अखिल भारतीय प्रतिभा सम्मान महासम्मेलन एवं राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल को देश की विभूतियों के हाथों छत्तीसगढ़ रत्न पुरस्कार दिया जाएगा।

कोरबा के लिए गर्व का क्षण उक्त राष्ट्रीय स्तर के सम्मान समारोह में कोरबा से एक मात्र छत्तीसगढ़ रत्न पाने वाले पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल

का चयनित होना कोरबा के लिए गर्व का विषय है। इस समारोह में देशभर से विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिभाओं का चयन किया जाता है। लायन राजकुमार अग्रवाल का चयन पीडित मानवता की सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए किया गया है। उक्त सम्मान समारोह में देश की सीमा पर तैनात हमारे जवानों का भी सम्मान किया जाएगा। इसके अलावा देशभर के विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं का भी सम्मान किया जाएगा।

दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र पहुंचे कलेक्टर: अधिकारियों को निर्देश सड़क निर्माण में तेजी लाएं

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड के दूरस्थ एवं पीवीटीजी बाहुल्य क्षेत्रों का दौरा कर सड़क एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने निर्माणाधीन सड़कों का निरीक्षण करते हुए कार्यों में तेजी लाने तथा निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निर्माण पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन एवं एसडीएम मनोज कुमार भी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री दुदावत ने ग्राम सरमा से पसान मार्ग का निरीक्षण किया। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे पाए जाने पर उन्होंने एसईसीएल रानी अटारी के अधिकारियों को तत्काल गड्ढों की मरम्मत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस मार्ग पर अधिकांशतः कोयला परिवहन करने वाले वाहनों की आवाजाही होती है, ऐसे में ग्रामीणों के आवागमन की सुविधा और सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने सड़क पर मौजूद सभी गड्ढों को शीघ्र ठीक कराने के निर्देश दिए।



कलेक्टर ने पीवीटीजी बाहुल्य ग्रामों को मुख्य मार्गों से जोड़ने के लिए पीएम जनमन योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन सड़कों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने और सड़कों का निर्माण शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने लेंगा से सेमरा-सैला-जिल्दा तक निर्माणाधीन 14.30 किलोमीटर सड़क का निरीक्षण करते हुए कार्य की प्रगति की जानकारी ली तथा इसे 15 नवंबर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इसी क्रम में कलेक्टर ने पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के अंतर्गत कटोरी नगोई-केशलपुर मार्ग पर 6.90 किलोमीटर लंबी पीएमजीएसवाई सड़क का भी अवलोकन किया। रेलवे लाइन के अंतर्गत आने वाले हिस्से में सड़क का कार्य अधूरा पाए जाने पर उन्होंने संबंधित रेलवे अधिकारियों से

समन्वय कर शेष कार्य को समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए, ताकि ग्रामीणों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिल सके।

पसान स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण



कलेक्टर श्री दुदावत ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पसान का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने पंजीयन कक्ष, प्रसव कक्ष, मरीज वाई, दवा वितरण कक्ष एवं स्टोर रूम का अवलोकन किया। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी लेते हुए मरीजों को प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए, ताकि

पसान स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने दिए निर्देश

अधिक से अधिक लोग शासकीय स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठा सकें। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को समय पर सुरक्षित एवं संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित करने तथा हाई रिस्क प्रेग्नेंसी (एचआरपी) की सूची की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती मरीजों से सीधे संवाद कर उनके उपचार, चिकित्सकों की उपलब्धता, दवाइयों एवं भोजन की व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने प्रसव उपरांत माताओं को सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत प्रोटीनयुक्त पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और उनकी गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि ग्रामीणों को बेहतर उपचार के लिए अनावश्यक रूप से दूर न जाना पड़े।

